फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 136 प्रभात जयपुर, रविवार 17 दिसम्बर, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

MGD @ 80 And Going Strong

"My varied *MGD* peer network has not just given me an advantage in securing high-profile projects but also given me the privilege of being comfortable at any table, in any room."

Important Tips For Healthy Locks

Tweak your hair care routine to suit the changing temperatures

जल्दी ही सामने आएगी पेपर लीक कांड की सच्चाई

नए मुख्यमंत्री भजन लाल ने पेपर लीक की जांच के लिए एस.आई.टी. गठित करने की घोषणा कर दी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर। भजन लाल शर्मा कल दिल्ली आकर प्रधानमंत्री व अन्य नेताओं से मिलकर अपने मंत्रिमण्डल विस्तार की रूपरेखा पर चर्चा करेंगे, उससे पहले ही राजस्थान के इस नए मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि पेपर लीक प्रकरण की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वैस्टिगेशन टीम (एस.आई.टी.) के गठन की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि लाखों छात्र और उनके परिवार "पेपर लीक" से प्रभावित हो चुके हैं।

गहलोत सरकार के लिए यह एक बड़ा मुद्दा था और इस प्रकरण को लेकर बड़ी संख्या में लोग कांग्रेस से खफा थे।

स्मरण रहे कि सचिन पायलट ने गहलोत और उनकी सरकार के खिलाफ जो बड़ा मुद्दा उठाया, वह पेपर लीक काण्ड था और उसको लेकर उन्होंने एस.आई.टी. के गठन की मांग की थी।

पेपर लीक केस में गहलोत सरकार के कुछ बड़े नाम शामिल बताए जाते थे, लेकिन इसके बावजूद गहलोत ने इस दिशा में कुछ नहीं किया था।

चूंकि, गहलोत सरकार के कई घोटालों की जांच होनी है, इसलिए बहुत से मामलों के सार्वजनिक होने की संभावना है।

भजन लाल शर्मा अभी शासन और सरकार की संभावना से अनभिज्ञ है। वह वास्तव में किस रूप में समक्ष है, इसका निर्णय आने वाले दिनों में उनकी कार्रवाइयों और विचारों से निकाला जाएगा। किसी सरकार में किसी पद पर रहने की बात तो छोड़िए, वह तो इससे पहले कभी विधायक भी नहीं बने थे, लेकिन वास्तविकता यह है कि उन्होंने पेपर लीक जैसे एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर गौर किया है, जिससे पता चलता है कि उनकी प्राथमिकताएं क्या होंगी।

- मुख्यमंत्री भजन लाल रविवार को दिल्ली पहुंच रहे हैं, जहां वे प्रधानमंत्री व अन्य नेताओं से मिलेंगे।
- चर्चा है कि, मुख्यमंत्री दिल्ली से लौटने के बाद पेपर लीक की जांच के लिए एस.आई.टी. गठित कर देंगे।
- ज्ञातव्य है कि, सचिन पायलट ने भी गहलोत के कार्यकाल में यह मुद्दा उठाकर एस.आई.टी. गठित करने की मांग की थी।
- गहलोत ने मुख्यमंत्री रहते पेपर लीक पर एस.आई.टी. गठन की मांग को नहीं माना था, पर अब यह मांग पूरी होने जा रही है और गहलोत विवश हैं।
- सूत्रों का कहना है कि, भजन लाल नए मंत्रियों के चयन के बारे में भी भाजपा आलाकमान से चर्चा करेंगे।

मु.मंत्री भजन लाल राज्यपाल से मिले

जयपुर, 16 दिसंबर (का.सं.)। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा शनिवार को राजभवन पहुंचे और राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात की। मुख्यमंत्री बनने के बाद राज्यपाल से उनकी यह पहली मुलाकात थी, इसे शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है।

- इसे शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है, पदभार ग्रहण के बाद मु.मंत्री की राज्यपाल कलराज मिश्र से यह पहली मुलाकात है।

राज्यपाल मिश्र ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बधाई और शुभकामनाएं दी तथा उम्मीद जताई कि उनके कुशल नेतृत्व में राजस्थान तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़ेगा।

18 से 28 दिसम्बर तक कांग्रेस "डोनेट फोर देश" मुहिम संचालित करेगी

यह एक "क्राउड फंडिंग" मुहिम है, जिसमें शुभचिंतकों से देश को बेहतर बनाने की कांग्रेस मुहिम में योगदान मांगा जाएगा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर। फण्ड्स की तंगी से जूझ रही कांग्रेस एक अनूठी पहल के तहत "काउडफंडिंग" के लिए 18 दिसम्बर, सोमवार से एक महाअभियान शुरु कर रही है। पर महाअभियान, बेहद जरुरी वित्तीय संसाधनों के अलावा पार्टी कार्यकर्ताओं और आमजन के बीच वार्तालाप की दूरी पाटने का एक शानदार अवसर होगा।

विशेष रूप से आयोजित एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि यह पहल वास्तव में, वर्ष 1920-21 में हुई हमारे महान महात्मा गांधी जी के ऐतिहासिक "तिलक स्वराज फण्ड" से प्रेरित है और इसका उद्देश्य वितरण एवं अवसरों के समान संसाधनों को लेकर समृद्ध भारत के निर्माण के लिए हमारी पार्टी को सशक्त करना है।

उन्होंन कहा कि "डोनेट फॉर देश" नामक इस अभियान की शुरुआत कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अगले सप्ताह करेंगे। पहला चरण भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 138 सालों को समर्पित होगा और इस चरण में अभियान का नाम "डोनेट फॉर बेहतर भारत" होगा।

वेणुगोपाल ने मीडिया से कहा कि 138 का अंक बेहतर भारत के निर्माण के लिए पार्टी की सतत प्रतिबद्धता का प्रतीक है और "हमारे इतिहास को आत्मसात करते हुए, हम हमारे समर्थकों को आमंत्रण देते हैं कि वे 138 रूपयों की कई गुणा, जैसे कि 1 हजार 380, 13 हजार 800 या उससे अधिक रूपए डोनेट करें।"

वेणुगोपाल ने बताया कि ऑनलाइन "काउडफंडिंग" के लिए donateinc.in और पार्टी की आधिकारिक वैबसाइट www.inc.in के दो चैनल बनाए गए हैं।

महासचिव ने बताया कि पार्टी ने कांग्रेस के सभी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों और डिज़िटल कैम्पेन्स के जरिए जागरूकता पैदा करें। उन्होंने कहा कि अभियान पार्टी के स्थापना दिवस 28 दिसम्बर तक मुख्यत: ऑनलाइन रहेगी। उसके बाद हम डोर-टू-डोर सहित ज़मीनी अभियान चलाएंगे, जिसमें कांग्रेस के कार्यकर्ता देश के प्रत्येक बूथ पर कम से कम दस घरों का दौरा करेंगे। प्रत्येक घर से कम से कम 138 रूपयों का डोनेशन होगा।

वेणुगोपाल ने बताया कि अभियान को और अधिक सफल बनाने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों से कहा गया है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि, यह अभियान महात्मा गांधी द्वारा 1920 को शुरू किए गए "तिलक स्वराज फंड" से प्रेरित है और इसका लक्ष्य भारत को समान अवसरों व संसाधनों के समान वितरण वाला देश बनाना है।
- वेणुगोपाल ने कहा कि, कांग्रेस के 138 वर्ष पूरे हो चुके हैं और इसकी स्मृति में कांग्रेस अपने शुभचिंतकों से उनकी श्रृद्धानुसार 138 रू. या 13,800 रू. या उससे अधिक अनुदान मांग रही है।
- इस मुहिम में सभी प्रदेश अध्यक्षों को जोड़ा गया है, वे प्रैस कॉन्फ्रैंस व डिजीटल अभियान के जरिए जनता को इस अभियान की जानकारी देंगे।
- चर्चा यह भी है कि, कांग्रेस फंड की भारी कमी से जूझ रही है, उसके पास चुनाव लड़ने के लिए भी पर्याप्त फंड नहीं है।

भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा चरण

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर। कांग्रेस ने शनिवार को घोषणा की कि भारत जोड़ो यात्रा का द्वितीय चरण पूर्वोत्तर राज्यों से गुजरात तक जनवरी के दूसरे सप्ताह में शुरु होगा।

इस बार पैदल चलने की बजाय बसों का उपयोग किया जाएगा। गांवों और शहरों में नुक्कड़ सभाएं की जाएंगी और रैलियों का आयोजन किया जाएगा। राहुल गांधी भाजपा पर हमला बोलेंगे तथा वर्ष 2024 में भाजपा का मुकाबला करने को लेकर यात्रा का दूसरा चरण कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण होगा।

राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अहमदाबाद में एक मीटिंग की, जिसमें उन्होंने कहा कि गुजरात में भाजपा सरकार का कुशासन जारी रहने की वजह से वहां के मुद्दे अनसुलझे ही बने हुए हैं। ये मुद्दे हैं- बेरोज़गारी, महंगाई, आर्थिक असमानता, दलितों एवं आदिवासियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा चरण जनवरी के दूसरे सप्ताह में शुरू होगा। यह यात्रा पूर्वोत्तर राज्यों से शुरू होकर गुजरात पहुंचेगी।

तेलंगाना की राज्यपाल टी. सौंदरराजन के भाषण से क्रोधित है बी.आर.एस.

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर। तेलंगाना की नवनिर्वाचित राज्य विधानसभा का सत्र शुक्रवार को शुरू हुआ इसमें राज्य की राज्यपाल तमिलीसाई सौंदरराजन ने अपने उद्घाटन भाषण में संबोधित करते हुए पिछली के.सी.आर. सरकार के खिलाफ कटु आलोचनात्मक टिप्पणी कर दी जिसकी वजह से विपक्ष काफी आक्रोशित है। राज्यपाल ने अपने संबोधन में जनता की प्रशंसा करते हुए कहा कि, तेलंगाना की जनता ने पिछली सरकार बदलकर अपने आपको निरंकुश शासन से मुक्त कर लिया है" इस वजह एक नया विवाद खड़ा हो गया है इससे यह पता चलता है कि राज्यपाल एवं पूर्व मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव दोनों के संबंधों में कितनी तीव्र कटुता थी।

तेलंगाना विधानसभा एवं विधान परिसर के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए सौंदरराजन ने यह कहा कि जनता ने दस साल के दमनपूर्ण शासन से अपने आपको आज़ाद करने के लिए साफ सुथरा जनादेश दिया है, यही वह बयान है जिसने भारतीय राष्ट्र समिति को आगबबूला कर दिया क्योंकि बी.आर.एस. जब से राज्य का गठन हुआ शासन कर रही थी।

पूर्व मंत्री एस. निरंजन रेड्डी ने कहा कि वास्तव में राज्यपाल का भाषण बी.आर.एस. की सरकार के तथाकथित आपेक्ष वाले गलत कार्यों पर ही केन्द्रित था एवं बी.आर.एस. के विधायक कदियम श्रीहरि ने आगे कहा कि राज्यपाल का संबोधन ऐसा प्रतीत हुआ मानो वे कांग्रेस का चुनाव घोषणा पत्र पढ़ रहे हों।

राज्यपाल ने पिछले दस वर्षों में राज्य में हुए विकास पर पर्दा डालने का विकल्प संबोधन में विकल्प चुना और आरोप लगाते हुए राज्य की एक तस्वीर पेश करने की कोशिश की मानो राज्य पिछड़ेपन की स्थिति में चल रहा हो। तेलंगाना राज्य ने कई मामलों में अपनी विशेष उपलब्धियों के लिए केन्द्र सरकार के पुरस्कार विजेता रूप में प्राप्त किए हैं और अभी हाल ही में देश के अन्न उत्पादन भण्डार एवं सूचना प्रौद्योगिकी के निर्यात में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया है, क्या यह बी.आर.एस. के नेताओं के लिए विलाप की बात है। पूर्व मंत्री ने तमिलीसाई की टिप्पणी पर अपनी सख्त आपत्ति व्यक्त करते हुए कहा कि एक राज्यपाल विधानसभा ऐसे कैसे झूठ बोल सकता है।

पूर्व मंत्री श्रीहरि ने कहा कि "यह कहना अनुचित है कि तेलंगाना के लोगों ने अपने को 10 वर्षों के दमन के शासन से मुक्त कर लिया।" बल्कि पूर्व मंत्री ने याद दिलाया कि इसके विपरीत हुआ यह है कि तेलंगाना ने वर्ष 2014 में केन्द्र सरकार पर दबाव डालकर राज्य का दर्जा प्राप्त करके अपने को दमन से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राज्यपाल तमिलसाई सौंदरराजन ने विधानसभा के उद्घाटन भाषण में कहा था कि, राज्य की जनता को बधाई, उन्होंने खुद को दस साल के दमनकारी शासन से मुक्त किया।
- सत्ता से बेदखल बी.आर.एस. ने टिप्पणी पर आपत्ति जताई और कहा कि, लगता है राज्यपाल कांग्रेस का चुनाव घोषणा पत्र पढ़ रही थीं।
- तेलंगाना की राज्यपाल टी. सौंदरराजन के पूर्व सरकार से संबंध कभी भी सहज नहीं रहे, उनकी इस टिप्पणी को इसी पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है।

राघव चड्डा राज्यसभा में आप के नेता

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर। आम आदमी पार्टी (आप) ने राज्यसभा के सभापति को शनिवार को एक पत्र लिखकर बताया कि पंजाब के 35 वर्षीय सांसद राघव चड्डा पार्टी के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- 35 वर्षीय राघव चड्डा पंजाब से राज्यसभा सदस्य हैं। उन्हें संजय सिंह की जगह यह पद दिया गया है।

राजनैतिक चर्चा का केन्द्र बना ललित झा आखिर कौन है?

क्या वो षड़यंत्रकारी, राजद्रोही है या बेरोजगारी की हताशा से जूझता एक आम शिक्षित युवक

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर। संसद भवन की सुरक्षा में हुई चूक के मामले में मास्टरमांइड माने जा रहे ललित झा को एक साधारण पढ़ा-लिखा युवा बताया गया है। उसमें यदि कोई विलक्षण बात है तो वह है उनके पास किसी स्थायी रोज़गार का ना होना।

ललित झा कोलकाता के भीड़-भाड़ वाले बड़ा बाज़ार क्षेत्र का निवासी है और उनके पिता एक स्थानीय मंदिर में पुजारी हैं। इस क्षेत्र के निवासियों ने टी.वी. पर उसकी तस्वीरें देखकर उसे तुरन्त ही पहचान लिया। उसे पहचानने वाले किसी भी शख्स ने इसमें बुराई का कोई पिछलता वाकिया नहीं बताया।

कोलकाता से संबंध होने और झा के वहां का निवासी होने के कारण संसद की सुरक्षा में हुई चूक के इस मामले को लेकर बंगाल पहले ही राजनीतिक रंग में रंग चुका है। ऐसे आरोप हैं कि बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) के साथ झा के संबंध थे और वह टी.एम.सी. के उच्च पदाधिकारियों के सम्पर्क में था।

लेकिन, झा और उनके परिवार की पृष्ठभूमि को लेकर मिली जानकारी के बाद इसमें कोई संदेह नहीं है कि ये लोग आतंक और कुख्यात गतिविधियों से कोसो दूर हैं। इसके बजाए यह विचार प्रस्तुत किए जा रहे हैं कि किन्हीं राजनेताओं ने शायद इनकी युवावस्था का अनुचित लाभ लिया हो।

उसके पिता ने पुष्टि की कि ललित झा एक गंभीर छात्र रहा है तथा पढ़ाई में उसका प्रदर्शन भी अच्छा रहा। यहां तक कि उसने गरीबी उन्मूलन या आदिवासी उत्थान को लेकर कोलकाता में कुछ विचारोंत्तेजक सत्र अटैंड़ किए और कुछ एन.जी.ओ.के साथ भी कुछ काम किया।

उसके क्षेत्र में लम्बे समय से निवासरत एक व्यक्ति ने उसे एक "भला शिक्षक" बताया। भले शिक्षक ने ऐसे शिक्षित युवा होते हैं जो दुनिया में सर्वत्र पाए जाते हैं और अपने मौहल्ले के छात्रों को पढ़ाने की एवज़ नाम मात्र की फीस लेते हैं। झा की मां ने जब अपने बेटे को निर्दोष बताया तो कोई आश्चर्य नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कोलकाता के बड़ा बाजार में रहने वाले ललित झा का परिवार इतना गरीब है कि, टी.वी. भी नहीं खरीद सकता।
- ललित के पिता मंदिर में पुजारी हैं। वे कहते हैं ललित पढ़ने में अच्छा रहा है पर उसे काम नहीं मिला।
- ललित के पड़ौसियों के अनुसार वह भला आदमी है मौहल्ले के बच्चों को मुफ्त में या बहुत कम पैसे लेकर पढ़ाता है।
- लेकिन बंगाल का होने की वजह से कुछ लोग उसे तृणमूल का करीबी बता रहे हैं, उनका आरोप है कि यह सब उसने तृणमूल कांग्रेस के कहने पर किया है।
- उससे फिलहाल पूछताछ की जा रही है, पर इन तमाम मुद्दों में एक जरूरी बात यह है कि, उसे बेरोजगारी ने यहां पहुंचाया है और आवश्यकता है कि बेरोजगारी पर गंभीर मंथन किया जाए।